हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

शनिवार 07 मार्च 2026 बर्ष 02 अंक 64 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

लग चुकी है तलब जीत की अब खुद को आग में झोंक देंगे, ठोकरें कहती है मारा जाएगा, हौसले कहते हैं देख लेंगे..!!

राजगीर का अमेज वॉटर वर्ल्ड हंगामा जोन 7 मार्च से खुलेगा

पर्यटकों के लिए आकर्षक ऑफर, कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

पर्यटकों के लिए खुलेगा वॉटर पार्क, फ्री एंट्री ऑफर के साथ मौज ही मौज

केशववाणी रानी सिन्हा की रिपोर्ट, राजगीर, नालंदा। गर्मी के मौसम की शुरुआत के साथ ही नालंदा जिले के राजगीर स्थित अमेज वॉटर वर्ल्ड हंगामा जोन वॉटर पार्क एक बार फिर पर्यटकों के लिए 7 मार्च से खोल दिया जाएगा। पार्क प्रबंधन की ओर से इसकी विधिवत शुरुआत पूजा–अर्चना के साथ की गई।पार्क के निदेशक आशीष कुमार जैन, स्मृति जैन, मयंक जैन, अरुण कुमार जैन और सोनू कुमार द्वारा 5 मार्च को विधिवत पूजा–अर्चना कर वॉटर पार्क के नए सीजन की शुरुआत की गई। इसके बाद 7 मार्च से आम लोगों के लिए पार्क को खोल दिया जाएगा।निदेशक आशीष कुमार जैन ने बताया कि पार्क में प्रवेश के लिए प्रति व्यक्ति 500 रुपये का टिकट रखा गया है।

खास बात यह है कि एक टिकट के साथ एक फूड कूपन भी दिया जाएगा, जिसके तहत उस दिन के लिए खाना बिल्कुल मुफ्त और अनलिमि. टेड उपलब्ध रहेगा।इसके अलावा पार्क प्रबंधन ने पर्यटकों के लिए विशेष ऑफर भी जारी किया है। 7 मार्च से 10 मार्च के बीच एक टिकट खरीदने पर दो अतिरिक्त टिकट मुफ्त दिए जाएंगे। ये निःशुल्क टिकट 15 मार्च से 30 अप्रैल के बीच कभी भी उपयोग किए जा सकेंगे। यानी पर्यटक मुफ्त प्रवेश के साथ–साथ मुफ्त भोजन का भी आनंद ले सकेंगे।राजगीर स्थित अमेज वॉटर वर्ल्ड हंगामा जोन पिछले कई वर्षों से लोगों के बीच काफी लोकप्रिय बना हुआ है। यहां नालंदा जिले के अलावा आसपास के कई जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग मौज–मस्ती करने पहुंचते हैं।

इस वॉटर पार्क का मुख्य आकर्षण यहां बना भव्य और विशाल मानव निर्मित वॉटरफॉल है, जो लोगों को प्राकृतिक झरने जैसा अनुभव कराता है। यही कारण है कि यह वॉटर पार्क बिहार के पर्यटकों के बीच खासा पसंद किया जाता है। इस मौके पर सभी कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया

पटना हाईकोर्ट का बड़ा आदेश– बच्चे के असली माता पिता का पता लगाने के लिए हुआ डीएनए टेस्ट

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट, बिहार शरीफ, (नालंदा)। पटना उच्च न्यायालय ने एक बच्चे की कस्टडी को लेकर दायर 'हेबियस कॉर्पस' (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका पर सुनवाई करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करने के लिए डीएनए (डीएनए) टेस्ट कराने का आदेश दिया है। मामला नालंदा जिले के बिहार थाना कांड संख्या 453/2023 से जुड़ा है, जिसमें याचिकाकर्ता अविनाश कुमार ने अपने बच्चे को विपक्षी संख्या 8 के 'अवैध कब्जे' से मुक्त कराने और कस्टडी दिलाने की गुहार लगाई है।

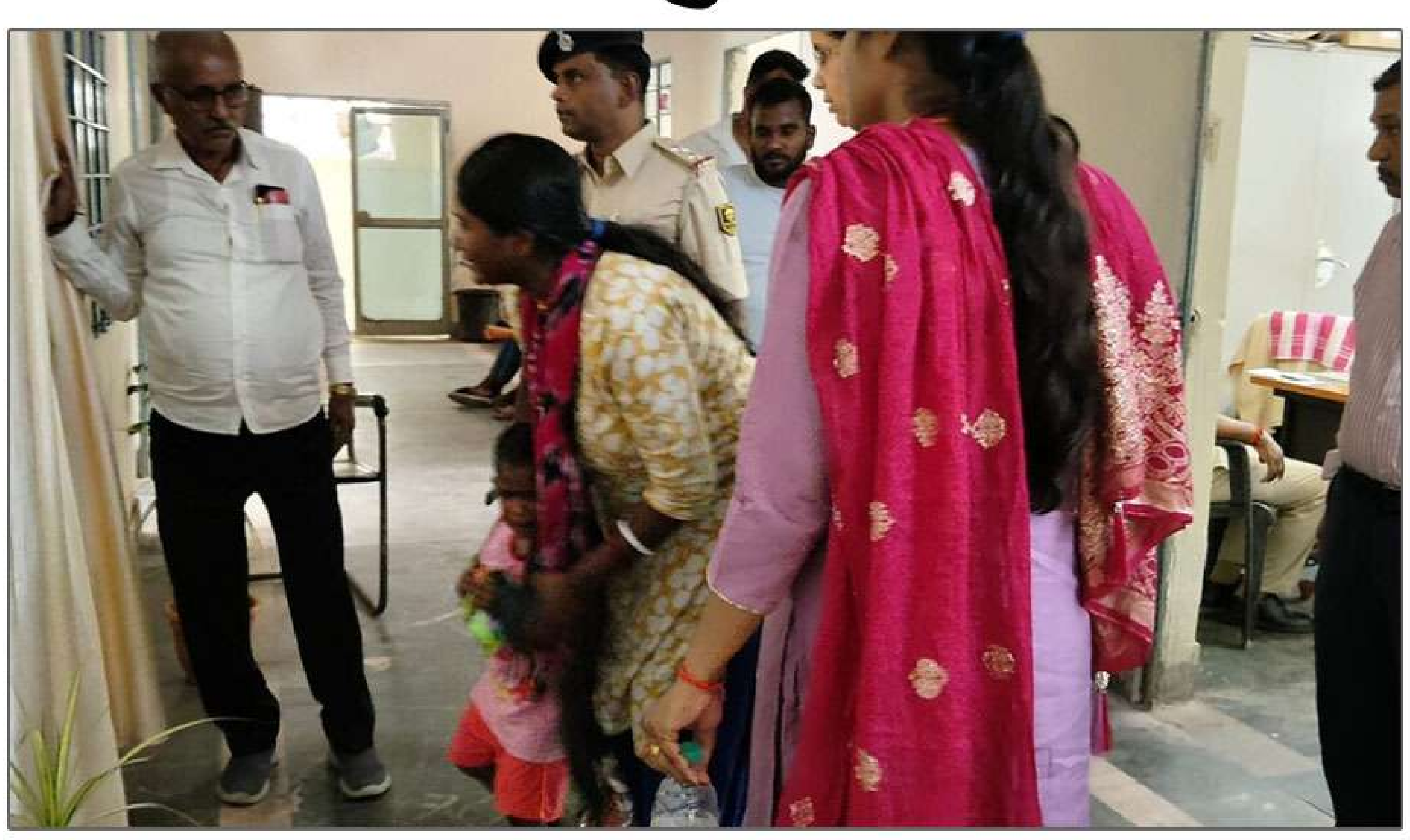

न्यायमूर्ति सुधीर सिंह और न्यायमूर्ति राजेश कुमार वर्मा की खंडपीठ ने आदेश दिया था कि नालंदा के सिविल सर्जन, पुलिस अधीक्षक (एसपी) की मौजूदगी में बच्चे और याचिकाकर्ता की पत्नी सिंकी कुमारी के डीएनए सैंपल एकत्र करेंगे। अदालत ने प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिया है कि सैंपल को याचिकाकर्ता की उपस्थिति में ही सील किया जाए और उस पर उसके हस्ताक्षर भी लिए जाएं। इसी प्रक्रिया को पूरी करने को लेकर शुक्रवार को की कार्यालय में बच्चे और दंपति का डीएनए सैंपल लिया गया। नालंदा सिविल सर्जन और नालंदा एसपी मुख्य रूप से मौजूद रहे। उच्च न्यायालय ने नालंदा एसपी को निर्देश दिया है कि वे सील किए गए सैंपलों को जांच के लिए पटना स्थित फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) भेजें। एफएसएल अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट अगले छह सप्ताह के भीतर अदालत में पेश करें। इससे पहले मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, बिहारशरीफ ने भी 6 जनवरी 2026 को डीएनए टेस्ट की अनुमति दी थी।

अब हाईकोर्ट ने सभी संबंधित पक्षों को जांच और सैंपल संग्रह में पूर्ण सहयोग करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल 2026 की तिथि निर्धारित की है। इस टेस्ट की रिपोर्ट आने के बाद ही बच्चे के भविष्य और उसकी कस्टडी पर अंतिम फैसला होने की उम्मीद है।

नालंदा में शिमला मिर्च की खेती से बदल रही किसानों की तस्वीर, मनारा गांव के किसान बने प्रेरणास्रोत

केशववाणी रानी सिन्हा की रिपोर्ट, नूरसराय (नालंदा)। नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड क्षेत्र के मनारा गांव में एक किसान शिमला मिर्च की खेती कर इलाके के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं। पारंपरिक खेती को छोड़कर नगदी फसल अपनाने के उनके फैसले ने उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर दिया है। आज उनकी सफलता की चर्चा आसपास के गांवों में भी हो रही है और कई किसान उनसे प्रेरणा लेकर नई तरह की खेती की ओर कदम बढ़ाने लगे हैं।ज. ानकारी के अनुसार किसान ने करीब दो एकड़ जमीन में शिमला मिर्च की खेती की है। इस नगदी फसल से उन्हें प्रतिदिन हजारों रुपये की आमदनी हो रही है। पहले वे अपनी जमीन पर धान, गेहूं और आलू जैसी पारंपरिक फसलों की खेती करते थे, लेकिन इन फसलों से लागत के मुकाबले अपेक्षित मुनाफा नहीं मिल पाता था। खेती में बढ़ती लागत और कम आमदनी के कारण उन्होंने कुछ अलग करने का निर्णय लिया।इसी सोच के साथ उन्होंने पारंपरिक फसलों की जगह नगदी फसल के रूप में शिमला मिर्च की खेती शुरू की। शुरुआत में उन्होंने सीमित स्तर पर इसकी खेती की, लेकिन बेहतर उत्पादन और बाजार में अच्छी कीमत मिलने के कारण उन्हें काफी फायदा हुआ। धीरे–धीरे उन्होंने इसकी खेती का रकबा बढ़ाया और आज यह उनके लिए लाभदायक व्यवसाय बन गया है।किसान का कहना है कि शिमला मिर्च की खेती में मेहनत जरूर है, लेकिन सही समय पर सिंचाई, उर्वरक और देखभाल करने से अच्छी पैदावार मिलती है। बाजार में इसकी मांग हमेशा बनी रहती है, जिससे किसानों को बेहतर दाम मिल जाता है। यही वजह है कि अब उनकी आमदनी पहले के मुकाबले काफी बढ़ गई है और परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है।स्थानीय किसानों का कहना है कि मनारा गांव के इस किसान की सफलता से क्षेत्र के अन्य किसान भी काफी प्रभावित हुए हैं। अब कई किसान पारंपरिक खेती के साथ–साथ नगदी फसलों की खेती करने की योजना बना रहे हैं। इससे किसानों की आय बढ़ने की उम्मीद है।कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि यदि किसान पारंपरिक खेती के साथ–साथ सब्जियों और नगदी फसलों की खेती करें, तो कम जमीन में भी बेहतर मुनाफा कमाया जा सकता है। सरकार भी किसानों की आय बढ़ाने के लिए आधुनिक खेती और विविध फसलों को अपनाने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है।मनारा गांव के इस किसान की सफलता यह संदेश देती है कि यदि किसान नई तकनीक, बेहतर बीज और बाजार की मांग को ध्यान में रखकर खेती करें, तो वे कम जमीन में भी अच्छी आमदनी कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं।

राजगीर में 8 मार्च को होगा मगध सम्राट जरासंध स्मारक का प्रथम वर्षगांठ समारोह, सोशल मीडिया पर मिला जबरदस्त समर्थन

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट
राजगीर, नालंदा। राजगीर में 8 मार्च को आयोजित होने वाले मगध सम्राट जरासंध जी महाराज स्मारक के प्रथम वर्षगांठ समारोह को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस कार्यक्रम को सोशल मीडिया पर भी व्यापक समर्थन मिल रहा है। जानकारी के अनुसार अब तक करीब 76,525 लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया देकर कार्यक्रम के प्रति समर्थन, स्नेह और आशीर्वाद व्यक्त किया है। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर श्री जरासंध धाम प्रबंध समिति लगातार सक्रिय रूप से तैयारी में जुटी हुई है। समिति के प्रयास और आग्रह पर जिला प्रशासन ने भी 8 मार्च को जरासंध महोत्सव मनाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है और विधि–व्यवस्था को लेकर आवश्यक प्रशासनिक निर्देश भी जारी किए गए हैं। प्रबंध समिति का कहना है कि केवल सोशल मीडिया के भरोसे किसी बड़े आयोजन को सफल नहीं बनाया जा सकता। इसी को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा गणमान्य लोगों और वरीय अधिकारियों से लिखित रूप में संवाद स्थापित कर कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रयास किया गया है। समिति के सदस्यों ने बताया कि राजगीर आने वाले अतिथियों का "अतिथि देवो भव" की भावना के साथ स्वागत करने के लिए सदस्य लगातार मेहनत कर रहे हैं, ताकि कार्यक्रम में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रबंध समिति का मुख्य उद्देश्य मगध सम्राट जरासंध के विचारों और उनके उद्देश्यों को जन–जन तक पहुंचाना है। समिति के अनुसार इस आयोजन को लेकर सिर्फ चंद्रवंशी समाज ही नहीं, बल्कि पूरे राजगीर के लोग भी काफी उत्साहित हैं।समिति ने कहा कि वह केवल प्रचार–प्रसार तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि जमीनी स्तर पर तैयारियों को मजबूत कर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

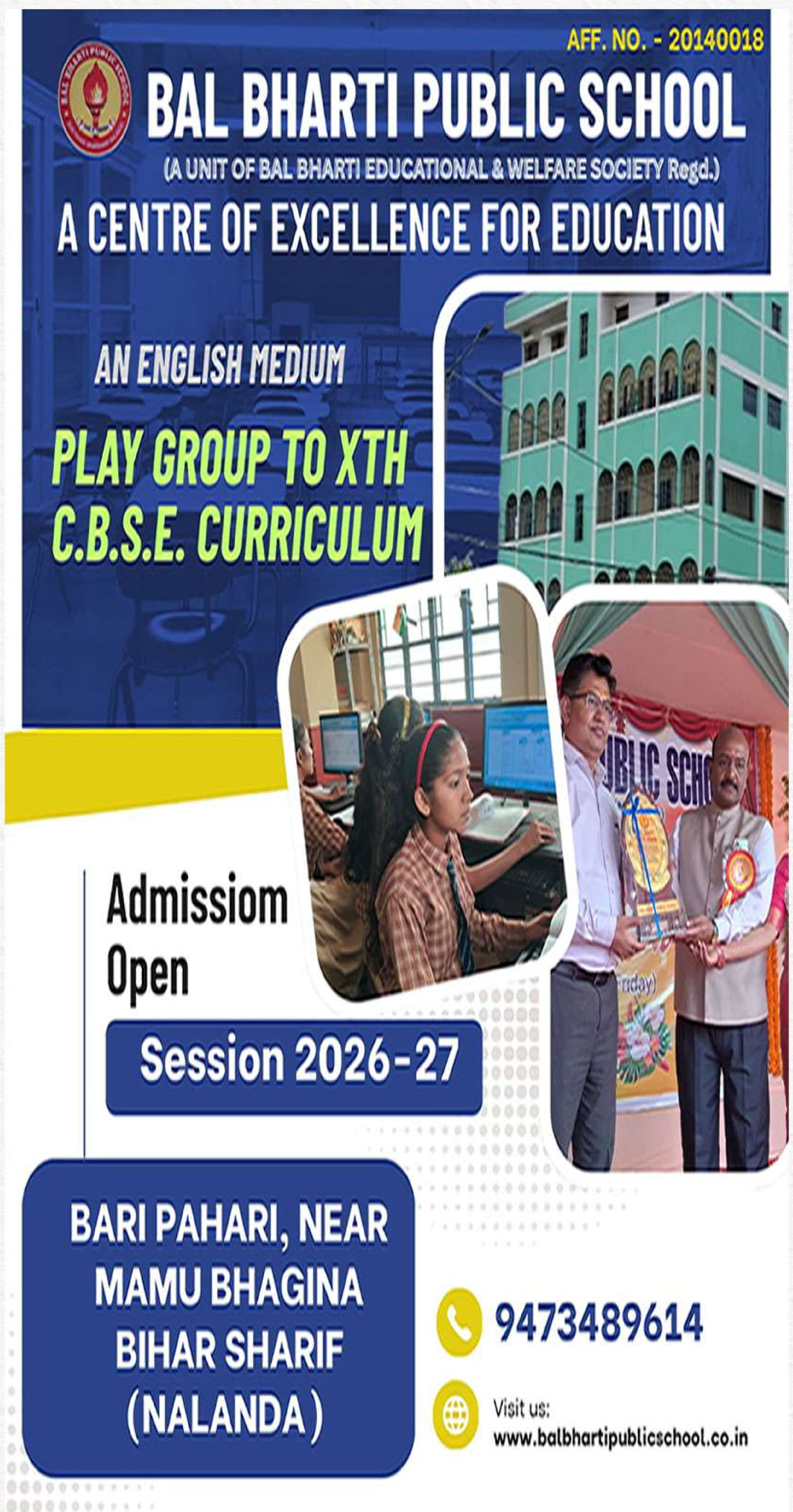

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नालंदा में खेलों का महाकुंभ

8 मार्च को नूरसराय में जिला स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता का होगा आयोजन

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट, नालंदा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 08 मार्च 2026 को जिला स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता मेरा युवा भारत, नालंदा एवं Sports Authority of India के खेलो इंडिया कार्यक्रम (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का आयोजन Nalanda College of Horticulture, नूरसराय परिसर में किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में बालिकाओं और महिलाओं के लिए अलग–अलग आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक प्रतिभागियों को भाग लेने का अवसर मिल सके। प्रतियोगिता को तीन आयु वर्गों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 13 वर्ष से कम आयु वर्ग (बालिका), 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग (बालिका) तथा 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग (महिला) शामिल हैं।प्रत्येक आयु वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ के साथ–साथ रस्साकशी जैसी खेल प्रतिस्पर्धाओं का भी आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को मेडल और प्रमाण–पत्र देकर सम्मा. नित किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक प्रतिभागी MY Bharat पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकती हैं। इसके अलावा इच्छुक प्रतिभागी 07 मार्च 2026 तक मेरा युवा भारत कार्यालय में जाकर भी अपना पंजीकरण करा सकती हैं। आयोजकों ने जिले की अधिक से अधिक बालिक. ाओं और महिलाओं से इस प्रतियोगिता में भाग लेकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को खेल भावना और उत्साह के साथ मनाने की अपील की है।

छबिलापुर मोड़ के पास सड़क पर ई-रिक्शा के लगने से लगता है जाम, परेशानी

प्रशासनिक अनदेखी के कारण पर्यटकों को करना पड़ता है जाम का सामना कम उम्र के चालकों पर हो कार्रवाई

केशववाणी । अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट

राजगीर (नालंदा)। पर्यटक नगरी राजगीर में ई–रिक्शा(टोटो) की बढ़ रही संख्या व प्रशासनिक अनदेखी के कारण छबिलापुर चौक के पास आये दिन जाम का नजारा देखने को मिलता है। पहले छबिलापुर मोड़ के पास सड़क पर ई–रिक्शा नहीं लगती थी। अब वहां पर बाजार जाने वाली सड़क हो चाहे बिहारशरीफ जाने वाली सड़क हो या नालंदा विश्वविद्यालय व पीटीसी की ओर जाने वाली सड़क हो सभी जगह पर दो कतारों में ई–रिक्शा लगी रहती है। इस पर प्रशासन की नजर नहीं रहती। भले ही जब कोई वीआईपी आने वाले होते हैं तो वहां से सबों को खाली करवा दिया जाता है। इसके अलावा अन्य दिनों में यहां पर इस तरह से ई–रिक्शा लगी रहती है कि वहां पर की सड़क की चौड़ाई काफी कम हो जाती है। इस कारण आये दिन जाम लगा रहता है। इस चौक से होकर नालंदा विश्वविद्यालय, स्टेडियम, आईटी सिटी, फिल्म सिटी सहित अन्य जगहों के लिए जाने का रास्ता है। ई–रिक्शा चालक यह नहीं देखते कि उनकी वाहन कहां टक्कर मार देगी। लोगों का कहना है कि ई–रिक्शा कब किधर मोड़ दे कहना मुश्किल है। आये दिन दुर्घटना होते रहती है। छबिलापुर मोड़ पर ई–रिक्शा लगाने से जाम हो जाती है। वहीं ई–रिक्शा वालों के पास भी विवशता है कि उनके लिए कोई पड़ाव नहीं है।

लोगों ने कहा कि प्रशासन को चाहिए कि बेतरतीव ढंग से लगाने वाले वाहनों पर फाइन करे और कम उम्र के चालकों को पकड़कर उसकी वाहन को भी जप्त किया जाय।

जीडीसी की परीक्षा नियंत्रक बनी डॉ. शारदा

केशववाणी । अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। राजकीय डिग्री कॉलेज राजगीर में डॉ. हैदर के बाद डॉ. शारदा कुमारी को नया परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है। प्राचार्य डॉ. आनंद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि डॉ. शारदा कुमारी की शैक्षणिक प्रतिबद्धता, प्रशासनिक अनुभव और कार्य के प्रति समर्पण महाविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था को सुदृढ़, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नव नियुक्त परीक्षा नियंत्रक डॉ. शारदा कुमारी ने कहा कि जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उसे निभाने का वे पूरा प्रयास करेंगी। वे अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा और ईमानदारी के साथ करेंगी। महाविद्यालय की परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत रहेंगी। महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों ने डॉ. शारदा को इस नये दायित्व के लिए पूर्व प्राचार्य डॉ. मोसर्रत जहां, बर्सर डॉ. मो. करार अहमद, डॉ. कुमार सोनू शंकर, लेखापाल उमेश चौधरी, प्रियंका कुमारी एवं अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

मच्छरों का बढ़ा है प्रकोप, नप द्वारा नहीं हो रहा पावडर व एंटी लार्वा का छिड़काव

केशववाणी । अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में इन दिनों मच्छरों का आतंक है। शाम होते ही मच्छर घरों की ओर झुंड के झुंड प्रवेश करते हैं। इस कारण बच्चों को पढ़ाई करने में काफी परेशानी हो रही है। वे खुले में बैठ नहीं सकते हैं। इसके बाद भी अब तक नगर परिषद द्वारा वार्डों में न तो पावडर का छिड़काव किया जा रहा है और न एंटी लार्वा का। इससे काफी परेशानी हो रही है। नगर परिषद आखिर किस बात का इंतजार कर रही है यह लोगों को नहीं पता चल रहा। जब लोगों को डेंगू जैसी, मलेरिया सहित अन्य बीमारी का सामना करना पड़ेगा तब जाकर नप के अधिकारी की नींद टूटेगी। वार्ड नम्बर 21 बड़ी मिल्की सहित वार्ड नम्बर 20 के पंचवटी नगर के साथ अन्य मोहल्ले व शहर के दुकानों में भी लोग मच्छर से परेशान हैं। लोगों ने कहा कि नगर परिषद के अधिकारी के साथ स्थानीय पदाधिकारी भी शहर के लोगों के साथ पर्यटकों की देखभाल के प्रति लापरवाह दिख रहे हैं। लोगों ने बताया कि घरों में मच्छर इतना है कि खुले में बैठना भी मुश्किल है।

नालंदा में दर्दनाक हादसा– ई–रिक्शा से दबकर 13 वर्षीय बच्ची की मौत, परिवार में मचा कोहराम

केशववाणी । शंकर कुमार की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। बिहार थाना क्षेत्र के कचहरी मोड़ के समीप शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 13 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। अनियंत्रित ई–रिक्शा के पलटने से बच्ची उसके नीचे दब गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतका की पहचान नालंदा थाना क्षेत्र के मिर्चायगंज निवासी सूर्यभूषण पंडित की 13 वर्षीय पुत्री वंदना पंडित के रूप में की गई है। बताया जाता है कि वंदना को पेट दर्द की शिकायत होने पर परिजन उसे इलाज के लिए बिहारशरीफ स्थित एक निजी क्लिनिक में लेकर आए थे। जांच के बाद डॉक्टर ने बच्ची को कुछ खाकर आने की सलाह दी। डॉक्टर की सलाह पर वंदना अपने परिजनों के साथ क्लिनिक से बाहर निकलकर नाश्ता करने जा रही थी। इसी दौरान कचहरी मोड़ के पास एक अनियंत्रित ई–रिक्शा अचानक पलट गया और वंदना उसके नीचे दब गई। हादसे में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल बच्ची को आनन–फानन में इलाज के लिए बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।अस्पताल परिसर में परिवार वालों के चित्कार से माहौल गमगीन हो गया। बताया जाता है कि वंदना अपने दो भाइयों की इकलौती बहन थी, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

इधर मामले को लेकर बिहार थाना अध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि सड़क हादसे में बच्ची की मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि परि. जनों से आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। अगर आप चाहें तो मैं इस खबर के 5 वायरल हेडिंग भी बना सकता हूँ, जो न्यूज़ पोर्टल और यूट्यूब के लिए अच्छे रहेंगे।

नालंदा में बड़ी चोरी– गैस एजेंसी संचालक के घर का ताला काटकर लाखों की संपत्ति उड़ाई, सोने–चांदी के जेवरात ले उड़े बदमाश

केशववाणी

बिहारशरीफ (नालंदा)। सोहसराय थाना क्षेत्र के आशानगर संगतपर धोबी टोला में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की संपत्ति चोरी कर ली। बदमाशों ने गैस एजेंसी संचालक के घर का ताला काटकर फ्लैट में घुसकर सोने–चांदी के जेवर समेत कीमती सामान उड़ा लिया। चोरी गए सामान की अनुमा. नित कीमत आठ लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। पीड़ित व्यवसायी अनूप कुमार ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ फिलहाल च्जदं में रहते हैं, जबकि उनके मकान के ग्राउंड फ्लोर पर किराएदार रहते थे। होली पर्व के कारण किराएदार अपने गांव चले गए थे, जिसके कारण मकान का ऊपरी हिस्सा खाली था। इसी मौके का फायदा उठाकर बदमाशों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला काट दिया और प्रथम तल्ले पर बने फ्लैट में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बताया जाता है कि चोरों ने घर में रखे सोने–चांदी के जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान समेट लिए। जब पड़ोसियों ने घर का टूटा हुआ ताला देखा तो इसकी सूचना अनूप कुमार को दी। सूचना मिलने के बाद वे तुरंत पटना से बिहारशरीफ पहुंचे और घर में चोरी की घटना की जानकारी पुलिस को दी।

घटना की सूचना मिलते ही सोहसराय पुलिस स्टेशन की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार मुकेश ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और चोरों की पहचान के लिए पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। फिलहाल पुलिस बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच में जुटी हुई है।

डियावां हॉल्ट के पास नाजायज क्रॉसिंग पर कार से टकराई मगध एक्सप्रेस, चालक कूदकर भागा

केशववाणी

इसलामपुर (नालंदा)। इसलामपुर–फतुहा रेलखंड पर डियावां हॉल्ट के समीप एक नाजायज रेलवे क्रॉसिंग पर बड़ा हादसा होते–होते टल गया। यहां नई दिल्ली जा रही मगध एक्सप्रेस की टक्कर एक कार से हो गई, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। बताया जाता है कि ट्रेन के आने से पहले ही कार चालक स्थिति भांप गया और टक्कर से ठीक पहले कार से कूदकर भाग निकला। कुछ ही क्षण बाद तेज रफ्तार ट्रेन कार से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि कार ट्रेन में नहीं फंसी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद ट्रेन बिना रुके अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गई और रेल परिचालन भी प्रभावित नहीं हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही फतुहा रेल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त कार को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और कार मालिक व चालक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।